हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 11 देहरादून, मंगलवार, 27 जून, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

महामहिम और मुख्यमंत्री ने G 20 डेलीगेट्स से साझा की देवभूमि की उपलब्धियां 3

मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड के लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 27 जून , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखण्ड के लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों के आश्रितों को भी सम्मान पेंशन/निधि दी जायेगी, इसके लिये शासनादेश जारी किया जा चुका है। लोकतंत्र सेनानियों का मानदेय 16 हजार से बढ़ाकर 20 हजार रूपये किया गया है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान उत्तराखण्ड के लोकतंत्र सेनानियों के योगदान की सभी को जानकारी हो सके, इसके लिए व्यवस्था बनाई जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों द्वारा जो भी मांग पत्र दिया है, उन पर पूरी गम्भीरता से कार्य किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि आज उन्हें राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान भारत के लोकतंत्र की रक्षा करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकतंत्र सेनानियों द्वारा किये गए त्याग और बलिदान को देश कभी नहीं भूल सकता। जब आपातकाल लगाया गया तो उसका विरोध सिर्फ राजनैतिक लोगों तक सीमित नहीं रहा बल्कि उस समय जन-जन के मन में आक्रोश था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सामान्य जीवन में लोकतंत्र का क्या वजूद है, वह तब पता चलता है जब कोई लोकतांत्रिक अधिकारों को छीन लेता है।

आपातकाल में देश के सभी लोगों को लगने लगा था कि उनका सब कुछ छीन लिया गया है। इसके लिए लखनऊ विवि, बीएचयू और इलाहाबाद विवि सहित अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों का संयुक्त संघर्ष मोर्चा बना, जिसे लोकनायक जयप्रकाश नारायण सहित उस समय के बड़े नेताओं नानाजी देशमुख, अटल बिहारी बाजपेई ने अपना समर्थन दिया। उस संघर्ष का ही परिणाम था कि देश में लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हुई।मुख्यमंत्री ने सभी लोकतंत्र सेनानियों के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि प्रदेश का मुख्य सेवक होने के नाते वे हमेशा लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए इसी प्रकार निरंतर कार्य करते रहेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि लोकतंत्र सेनानियों का मार्गदर्शन और आशीर्वाद उन्हें इसी प्रकार मिलता रहेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि हमारे लोकतंत्र सेनानियों द्वारा लोकतंत्र की रक्षा के लिए किये गये प्रयासों की आने वाली पीढ़ियों को जानकारी होनी चाहिए, इसके लिए उस समय इनके द्वारा लोकतंत्र की रक्षा के लिए किये गये प्रयासों को जन-जन तक पहुंचाना होगा। इसके लिए जनपद स्तर पर भी कार्यक्रम होने चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हमारे ये लोकतंत्र सेनानी इसी भावना से आगे भी कार्य करते रहेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी में यह अच्छी बात है कि वे बुजुर्गों का आदर एवं सम्मान करते हैं और प्रदेश के विकास के लिए,उनके लंबे कार्यकाल के बुजुर्गों का आशीर्वाद उनके साथ है।लोकतंत्र सेनानियों का आशीर्वाद उनके साथ है। इस अवसर पर उत्तराखण्ड लोकतंत्र सेनानी संगठन के अध्यक्ष के. के. अग्रवाल, महामंत्री गिरीश काण्डपाल, रणजीत सिंह ज्याला, विजय कुमार महर, योगराज पासी, प्रेम बड़ाकोटी, हयात सिंह मेहरा एवं अन्य लोकतंत्र सेनानी उपस्थित थे।

दिल्ली से देहरादून-हरिद्वार का सफर महंगा 1 जुलाई से बढ़ जाएगी टोल टैक्स की फीस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 जून : महंगाई की मार से आम आदमी बुरी तरह त्रस्त है। 1 जुलाई से दिल्ली-देहरादून का सफर भी महंगा होने जा रहा है।

सिवाया टोल प्लाजा पर टोल टैक्स में 5 से 10 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। इससे निश्चित तौर पर यात्रियों और वाहन चालकों पर बोझ बढ़ेगा। हालांकि स्थानीय वाहन संचालकों से पुरानी दर पर ही टोल टैक्स वसूला जाएगा। सिवाया टोल प्लाजा से हर दिन देहरादून-हरिद्वार के लिए 20 से 22 हजार वाहन गुजरते हैं। शनिवार-रविवार को यहां से 25 हजार से ज्यादा वाहनों की आवाजाही होती है। एक जुलाई से यहां से गुजरने वाले वाहनों को बढ़ा हुआ टोल टैक्स देना होगा।हालांकि एनएचएआई ने निजी और स्थानीय चार पहिया व्यावसायिक वाहनों को राहत देते हुए टोल टैक्स की दरों को यथावत रखा है।

एनएचएआई की ओर से स्वीकृति के बाद बढ़ी हुई दरों का प्रस्ताव प्रबंधन को मिल गया है। लोकल वाहनों के टोल टैक्स में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। लोकल और निजी वाहनों से पुरानी दरों पर ही वसूली की जाएगी। सिवाया टोल प्लाजा पर 30 जून की मध्यरात्रि यानी 1 जुलाई से टोल की दरों को संशोधित किया जाता है। 30 जून के बाद यहां से गुजरने वाले निजी वाहनों से पूर्व की तरह 110 रुपये टोल टैक्स के रूप में लिए जाएंगे। जबकि वाणिज्यिक वाहनों से 190 की जगह 195 रुपये और बस-ट्रक से रुपये 385 की जगह रुपये 390 की वसूली होगी। स्थानीय वाहनों का टोल टैक्स 25 और वाणिज्यिक वाहनों का टोल टैक्स 55 रुपये ही रहेगा। मल्टी एक्सेल बड़े वाहनों का टोल 620 रुपये की जगह 630 रुपये कर दिया गया है। सिवाया टोल प्लाजा पर 10 किमी के दायरे में रहने वाले वाहन चालकों से 25 रुपये टोल टैक्स लिया जाता है। कार, जीप व वैन का टोल टैक्स 110 रुपये निर्धारित है।

क्या छोटी-सी बहस भी ले लेती है लड़ाई का रूप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 जून : एक रिश्ते में तकरार होना बेहद सामान्य और आम बात है। आम धारणा के विपरीत, तकरार हमें दूसरे व्यक्ति को अधिक स्पष्ट रूप से देखने, उनके नजरिए को समझने और उन्हें जानने में मदद करती है। इससे रिश्ते में अधिक स्पष्टता आती है और इसमें शामिल लोगों के लिए एक हेल्दी स्पेस बनाने में मदद मिलती है। हालांकि, अक्सर किसी कॉन्फ्लिक्ट से निपटने का हमारा तरीका नकारात्मक रूप ले लेता है, जिससे रिश्ते में दूरियां आने लगती हैं। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि किसी बहस या तकरार के दौरान हम कुछ बातों को ध्यान में रख इसे लड़ाई में

बदलने से रोकें। अगर आप भी किसी कॉन्फ्लिक्ट के दौरान सही तरीके से अपना पक्ष नहीं रख पाते हैं, तो हेल्दी आर्ग्युमेंट के लिए इन टिप्स को अपना सकते हैं। अधिकांश झगड़े हमारे समझने के तरीके के कारण अनियंत्रित हो जाते हैं। हमें प्रतिक्रिया देने के बजाय समाने वाले को समझने के लिए सुनना चाहिए और दूसरा व्यक्ति क्या कहना चाह रहा है, उस बारे में अधिक स्पष्टता हासिल करना चाहिए।आप जब भी किसी रिश्ते में अपनी बात रखना चाहते हैं, तो पहले उन सामान्य बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें, जहां आप दूसरे व्यक्ति से सहमत हैं। फिर धीरे-धीरे दो लोगों के बीच मौजूद मतभेदों की ओर बढ़ना चाहिए और उनके बारे में बात करने का प्रयास करना चाहिए। जब दो लोगों के बीच कॉन्फ्लिक्ट होने लगते हैं, तो सामने वाले की बात सुनने या मानने से बेहतर है कि उनके विचारों को चुनौती देते हुए अपनी बात रखें।

इस दौरान आप दोनों को यह पता होना चाहिए कि आप रिश्ते को नुकसान पहुंचाए बिना कैसे एक-दूसरे विचारों से असहमत हो सकते हैं।अक्सर तकरार या बहस करते समय लोग छोटी-छोटी बातों को लेकर लड़ाई शुरू कर दें। इसलिए कोशिश करें कि छोटी समस्याओं को नजरअंदाज कर बड़ी और गंभीर समस्याओं पर ध्यान देते हुए भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित करें। जब कोई बहस या तकरार बढ़ने लगे और यह लड़ाई का रूप लेने लगे, तो आपको यह पता होना चाहिए कि कब आपको बात खत्म कर बहस को रोकना और कब आपको अपनी ऊर्जा खर्च करना बंद करना है।

म्यूजिक की धुन पर अब गाय भैंस देंगी बम्पर दूध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 27 जून , आपकी गाय या भैंस अगर दूध कम देती है तो उसे बढ़ाने के लिए आप क्या करते हैं? आपका जवाब सिंपल होगा कि उसे चारा या दूध बढ़ाने वाले फूड्स खिलाते हैं। लेकिन अब एक ऐसी अनोखी रिसर्च आ गई है। जो यह कहती है कि अगर आप अपनी गाय या भैंस को म्यूजिक सुनाते हैं तो उसका दूध बढ़ जाता है। यह रिसर्च की गई है हरियाणा (Haryana) के करनाल स्थित राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (NDRI Unique Research) की तरफ से।रिसर्च में कहा गया है कि जिस तरह गाना-बजाना इंसानों को रिलैक्स कर देता है, उसी तरह पशुओं को भी यह तनाव मुक्त रखता है। NDRI की जलवायु प्रतिरोधी पशुधन अनुसंधान केंद्र ने अपने इस शोध में हजारों दुधारू पशुओं को शामिल किया। करीब चार साल तक यह रिसर्च चला। जो नतीजा निकलकर आया, उसमें पता चला कि संगीत से पशुओं का न हेल्थ बेहतर होता ही है, उनकी दूध देने की क्षमता भी बढ़ जाती है।

शोधकर्ताओं का क्या करना है

'संस्थान के वरिष्ठ पशु वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष ने बताया कि काफी समय पहले यह सुना जाता था कि गों को संगीत और भजन पसंद है। भगवान श्रीकृष्ण की मुरली की धुन पर भी गायें चली आती थीं और उसे बड़े भाव से सुनती थी। अब हमने इसी को प्रयोग में अपनाया है। हमें इसका रिजल्ट भी अच्छा मिला है। उन्होंने बताया कि संगीत की तरंगें गाय के मस्तिष्क में ऑक्सीटोसिन हार्मोन को एक्टिव कर देती हैं, जिससे उनका दूध बढ़ जाता है और वे दूध देने के लिए प्रेरित होती हैं।'

दुधारू पशु और संगीत का कनेक्शन

NDRI की स्थापना साल 1955 में की गई थी। तभी से पशुओं पर कई तरह के शोध चल रहे हैं। देसी गायों की नस्लों पर भी कई प्रयोग किए गए हैं। इसी शोध में से एक है पशुओं पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का। शोधकर्ताओं ने गायों-भैंसों को तनाव मुक्त रखने के लिए म्यूजिक सुनाया। उन्होंने देखा कि गाना सुनकर पशु भीषण गर्मी में भी काफी रिलैक्स रहते हैं और बैठकर जुगाली करते हैं। इसका असर उनके दूध पर पड़ा और वे पहले से ज्यादा दूध देने लगे। डॉ. आशुतोष ने बताया कि 'हम पशुओं को एक जगह बांधकर नहीं रखते हैं। क्योंकि इससे वे तनाव में आ जाते हैं। यहां पशुओं को ऐसा वातावरण दिया जा रहा है, जिससे उनपर दबाव न आए और वे तनाव मुक्त रहें। इसके लिए गीत-संगीत का सहारा भी लिया गया, जिसका रिजल्ट शानदार आया है।'

अल्मोड़ा : अग्निवीर बनने के लिए बारिश में भीगते हुए दौड़े युवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा 27 जून : सोमनाथ मैदान में अग्निवीर भर्ती रैली हो रही है। इसमें छठे दिन को नैनीताल, धारी, कोश्यां कुटोली, रामनगर तहसील के युवाओं की अग्निपरीक्षा सेना से पहले बारिश ने ली। इसके बाद भी युवाओं का हौसला कम नहीं हुआ। उन्होंने उत्साह के साथ दौड़ लगाई। सोमनाथ मैदान में नैनीताल जिले के युवाओं की अग्निवीर भर्ती रैली आयोजित की गई। बारिश के बाद भी युवा तय समय पर रात ढाई बजे मैदान के बाहर पहुंचे। सुबह छह बजे तक उन्हें मैदान में प्रवेश दिया गया। बारिश के बीच ही उन्होंने अग्निवीर बनने के लिए 1.6 किमी लंबी दौड़ लगाई।

भर्ती निदेशक कर्नल आदित्य कुमार मिश्रा ने बताया कि लगभग सभी युवा रैली में शामिल होने पहुंचे। करीब 900 युवाओं ने दौड़ लगाई और इसमें सफल युवाओं ने बीम लगाकर अपना दमखम दिखाया। इसमें सफल युवाओं के दस्तावेजों की जांच की गई। अब उन्हें अगले चरण की बाधा पार करनी होगी। वहीं पुलिस और प्रशासन के अधिकारी व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

महामहिम और मुख्यमंत्री ने G 20 डेलीगेट्स से साझा की देवभूमि की उपलब्धियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश , 27 जून , राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने नरेंद्र नगर टिहरी में आयोजित जी 20 इंफ्रास्ट्रक्चर वर्किंग ग्रुप की बैठक के सभी डेलीगेट्स का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की G-20 अध्यक्ष के रूप में गौरवशाली यात्रा सहज, सरल और सक्षम रूप से गतिमान है। राज्यपाल ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर महत्वपूर्ण तत्व है जो हर समाज की प्रगति के लिए आवश्यक होता है। विकासशील और सशक्त इंफ्रास्ट्रक्चर राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह समिति, G-20 देशों के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर के विभिन्न पहलुओं पर मंथन और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है। प्रदेश में विकास कार्यों को करने के साथ साथ जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए भी कार्य किया है और साथ जन भागीदारी भी सुनिश्चित की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विदेशी मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि किसी भी देश के विकास का पैमाना उस देश का आधारभूत ढांचा ही तय करता है, यही तय करता है कि उस देश का वर्तमान और भविष्य कैसा हो। आधारभूत ढांचे का पर्याय सिर्फ रेल, रोपवे, रोड आदि बनाना नहीं वरन आधारभूत ढांचे का असल मकसद आम आदमी की समस्याओं को कम करना और उसके रहन सहन को सुगम, सरल एवं सुरक्षित बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्वतीय भौगोलिक परिस्थिति वाले राज्य का आधारभूत ढांचा मैदानी इलाकों की अपेक्षा अधिक कठिन होता है, क्योंकि पहाड़ी राज्य की इकोलॉजी और इकोनामी दोनों ही प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर रहती है और आधारभूत ढांचे में कभी कभी ऐसी परिस्थितियां भी उत्पन्न हो जाती हैं, जिसमें वनों को, प्रकृति को और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। हमें विकास और प्रकृति के संरक्षण को एक दूसरे का पूरक बनाकर आधारभूत ढांचे के निर्माण पर ध्यान देना होगा। यह तभी संभव है जब हम "उपभोग नहीं बल्कि उपयोग" के सिद्धांत का अनुसरण करेंगे।

नरेन्द्रनगर ऋषिकेश में जी-20 सम्मेलन की तीसरी बैठक के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या एवं संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पर्वत श्रृंखला हिमालय की गोद में बसा हमारा प्रदेश उत्तराखंड, ''देवभूमि'' के रूप में विख्यात है। जहां यह एक ओर हरिद्वार-ऋषिकेश, गंगोत्री-यमुनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ, जागेश्वर, पूर्णागिरि जैसे पौराणिक, आध्यात्मिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक केन्द्रों की पवित्र भूमि है, वहीं गंगा, यमुना, अलकनंदा सहित कई महान नदियों का उद्गम स्थल भी है। हमारा राज्य योग, आयुर्वेद, ध्यान का एक वैश्विक केंद्र होने के साथ-साथ प्राचीन भारतीय सभ्यता का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष के जी-20 की थीम एक पृथ्वी एक परिवार और एक भविष्य है, जो मूल रूप से भारतीय संस्कृति द्वारा विश्व को दिए गए सिद्धांत "वसुधैव कुटुंबकम" पर आधारित है, जिसका अर्थ है "समस्त विश्व एक परिवार है". मुख्यमंत्री ने कहा कि जी-20 की यह विशेष इन्फ्रास्ट्रक्चर वर्किंग ग्रुप की बैठक, हमारी सनातन संस्कृति की इसी मूल अवधारणा को पुष्पित व पल्लवित करने में सहायक सिद्ध होगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को प्राकृतिक आपदाओं से वर्षभर सामना करना पड़ता है इसलिए यहां का आधारभूत ढांचा इस तरह बनना चाहिए जो आपदाओं के समय भी आम आदमी के काम आ सके। आप सभी को ज्ञात है कि जिस प्रकार जापान में भूकंप आना एक आम बात थी, परन्तु जापानी लोगों ने भूकंपरोधी भवन बनाने की ऐसी तकनीक का विकास किया जो आपदा के समय में भी जापान के लोगों को व उनके मकानों को सुरक्षित रखती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हमने 150 मिलियन से अधिक लोगों को आश्रय प्रदान करने के लिए लगभग 40 मिलियन घर दिए हैं, जो ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या का लगभग 6 गुना है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह बैठक जहां एक ओर विश्व के आधारभूत ढांचे के विकास के लिए क्या-क्या किया जा सकता है, उस पर विचार करेगी, वहीं दूसरी ओर पहाड़ी राज्यों की विशिष्ट स्थितियों का आंकलन कर एक विस्तृत रूपरेखा तय करने में भी समर्थ होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हमारे छोटे से राज्य को जी-20 की तीन बैठकों का आयोजन करने का अवसर प्रदान किया। इस महत्त्वपूर्ण दायित्व को निभाते हुए हम स्वयं को गौरवांवित अनुभव कर रहे है क्योंकि यह सभी उत्तराखंडवासियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

'कल के शहरों का वित्तपोषण : समावेशी लचीला और टिकाऊ' पर हुयी G 20 में चर्चा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश , 27 जून , भारतीय जी 20 प्रेसीडेंसी के तहत तीसरी G20 इंफ्रास्ट्रक्चर वर्किंग ग्रुप (IWG) की बैठक ऋषिकेश, उत्तराखंड में शुरू हुई। तीन दिवसीय IWG बैठक में जी20 सदस्य देशों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लगभग 63 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। चर्चा का एजेंडा 2023 इन्फ्रास्ट्रक्चर एजेंडा पर चर्चा को आगे बढ़ाना और मार्च 2023 में विशाखापत्तनम में दूसरी IWG बैठक के दौरान हुई चर्चाओं का पालन करना है।बैठक के पहले दिन, दो सत्र आयोजित किए गए, जिसमें प्रतिनिधियों ने विषय ₹कल के शहरों का वित्तपोषणः समावेशी, लचीला और टिकाऊ₹ के तहत दो कार्यधाराओं पर चर्चा की। प्रतिनिधियों ने गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए भारतीय प्रेसीडेंसी को धन्यवाद दिया और कार्य क्षेत्रों में सार्थक प्रगति हासिल करने के लिए प्रेसीडेंसी के प्रयासों को स्वीकार किया।बैठक को भारतीय प्रेसीडेंसी और एशिया इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक , एआईआईबी द्वारा आयोजित ₹रहने योग्य शहर बनाने पर उच्च स्तरीय सेमिनार₹ द्वारा भी पूरक बनाया गया था। तीन सत्रों में हुई चर्चाओं ने जी20 के निर्णय निर्माताओं को प्रौद्योगिकी, इन्फ्राटेक और डिजि-टलीकरण की भूमिका की खोज के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन से लेकर बुनियादी ढांचे के लचीलेपन, तेज शहरीकरण और समावेशन जैसी प्रमुख चुनौतियों को सीखने की अनुमति दी। प्रतिनिधियों ने दुनिया के सबसे महत्वाकांक्षी नए शहर के विकास में से एकः इंडोनेशिया में 'नुसंतरा' को लॉन्च करने पर एक अनूठा परिप्रेक्ष्य भी सुना। साइड इवेंट का प्रतिनिधित्व हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट, सी40 सिटीज़ और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के एक प्रतिष्ठित पैनलिस्ट ने किया। उत्तरी बांग्लादेश के ढाका के मेयर ने भी नगर पालिकाओं और शहरों को टिकाऊ और समावेशी बनाने में समर्थन देने के तरीकों पर अपने विचार साझा किए।प्रति-निधियों को ₹रात्रि भोज पर संवाद' (रात के खाने पर बातचीत) की भी मेजबानी की गई और उन्होंने उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का आनंद लिया और स्थानीय व्यंजनों का आनंद लिया। प्रेसीडेंसी ने प्रतिनिधियों के अनुभव के लिए 27 जून 2023 को ₹योग रिट्रीट₹ की भी योजना बनाई है।

हरिद्वार : रील बनाते हुए शताब्दी ट्रेन की चपेट में आए दो युवक, शरीर के हुए कई टुकड़े

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 27 जून : सोशल मीडिया पर चंद लाइक और पॉपुलैरिटी पाने का जुनून युवाओं के लिए जानलेवा साबित होता जा रहा है। अब लक्सर में ही देख लें, यहां दो किशोर मोबाइल से रील बना रहे थे। तभी वो दोनों शताब्दी एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। जिससे दोनों की मौत हो गई। मरने वालों में सिद्धार्थ सैनी (16) और शिवम (17) शामिल हैं। दोनों लड़के अपने परिवार संग लक्सर कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदपुर बुजुर्ग गांव में रहते थे। बीते दिन देर शाम सिद्धार्थ और शिवम गांव के पास स्थित डोसनी पुल पर गए थे। चश्मदीदों के मुताबिक दोनों लड़के रील बनाने में बिजी थे कि तभी रेलवे ट्रैक पर शताब्दी एक्सप्रेस आ गई। जिसके चलते दोनों किशोरों की मौत हो गई। जब तक लोग मौके पर पहुंचे तब तक सिद्धार्थ और शिवम के शरीर के कई टुकड़े हो चुके थे। घटना का पता चलने पर रोते-बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे और शवों को ले जाकर अंतिम संस्कार कर दिया। सूचना पर जीआरपी थानाध्यक्ष ममता गोला भी घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि मामले की पड़ताल की जा रही है। उधर लक्सर स्टेशन पर भी एक हादसे में महिला की मौत हो गई। करीब 55 वर्षीय महिला की पहचान नहीं हो सकी है। घटना के वक्त महिला प्लेटफॉर्म से उतरकर ट्रैक पार कर रही थी। तभी वहां दरभंगा एक्सप्रेस आ गई। लोगों ने बताया कि उन्होंने आवाज देकर महिला को रोकना भी चाहा था, लेकिन मालगाड़ी की आवाज में उसे सुनाई नहीं दिया। ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई।

उत्तराखंड : बागेश्वर में बिजली गिरने से 400 बकरियों की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर 27 जून : उत्तराखंड में मानसून आते ही प्राकृतिक आपदा का कहर भी दिखने लगा है। उत्तरकाशी के बाद बागेश्वर के कपकोट में वज्रपात की खबर आ रही है। जी हां आज ही सबसे पहले उत्तरकाशी में वज्रपात की खबर आई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि 3 युवक घायल हो गए। अब दूसरी खबर बागेश्वर से आ रही है। यहां वज्रपात से एक साथ 400 बकरियां मारी गई है। अभी मानसून की शुरुआत ही हुई है कि आपदाओं का दौर शुरू हो गया है। आपको बता दें कि बागेश्वर में देर शाम गरज चमक के साथ कहीं कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई है। जिला आपदा अधिकारी अधिकारी शिखा सुयाल ने बताया कि कपकोट तहसील क्षेत्र के झुनी पांखु टॉप में चरवाहों की बकरियों पर वज्रपात हुआ है। लोगों ने पशुपालन और राजस्व विभाग की टीम को सूचना दी। सूचना मिलते ही टीमें झुनी के लिए रवाना हुई।मौके पर पहुंचकर मुआयना किया गया। घटनास्थल पर वज्रपात से 400 बकरियों की मौत होने की पुष्टि हुई है। साफ है कि इससे चरवाहों का भारी नुकसान हुआ है। विधायक कपकोट सुरेश गढ़िया ने दूरभाष के माध्यम से राजस्व टीम और पशुपालन विभाग को नुकसान का मुआयना कर शीघ्र मुआवजे की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

चमोली : अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के मौके पर पुलिस कर्मचारियों ने जीवन में कभी नशा न करने की ली शपथ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 27 जून : ₹अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस₹ के मौके पर चमोली पुलिस के कर्मचारियों ने जीवन में कभी भी नशा न करने की शपथ ग्रहण की। इसके अलावा जिला पुलिस के तमाम पुलिस कर्मचारियों ने जीवन में कभी भी नशा न करने की शपथ लेकर एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो की वेबसाइट से ई-प्रतिज्ञा पत्र हासिल किया और साथ ही अपने परिवार के सदस्यों को भी यह शपथ दिलाई गई।समाज से नशा जैसी बुराई को खत्म करने के लिए चमोली पुलिस द्वारा दिनांक 12 जून से 26 जून तक नशे के खिलाफ पखवाड़ा अभियान चलाया गया।

इस दौरान पुलिस द्वारा तमाम थाना क्षेत्रों के अधिकतर गांव में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाए गए। इन जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष तौर पर कैंप लगाए गए, नुक्कड़ सभाएं की गई व नाटक मंचन किए गए। जिससे चमोली पुलिस ने हजारों लोगों तक नशा न करने व नशा तस्करी की सूचना पुलिस को देने का संदेश पहुंचाया। इस दौरान लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया और जिला पुलिस द्वारा लोगों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया। साथ ही चमोली पुलिस द्वारा लोगों से आह्वान किया कि सामाजिक संस्थाएं, ग्राम पंचायतें, युवा क्लब व गांव में गठित कमेटियां इस तरह के

अभियानों में चमोली पुलिस का पूरा सहयोग करें ताकि ऐसे अभियानों के लक्ष्य हासिल किए जा सकें। उन्होंने कहा कि युवा देश की धरोहर है इसलिए वे नशे जैसी बुराई से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद व अन्य सामाजिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर अपना व अपने देश प्रदेश का नाम रोशन करें।पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोभाल ने कहा कि ₹नशे के खिलाफ पखवाड़ा₹ जागरूकता अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस जागरूकता अभियान में आमजन ने भी जिला पुलिस का भरपूर सहयोग दिया और अपने क्षेत्र व गांव में नशे जैसा काम ना होने देना व नशे की सूचना पुलिस को देने का भी आश्वासन दिया गया। नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चमोली पुलिस द्वारा समय-समय पर चलाए जाते रहे हैं और आगे भी इसी तरह के प्रयास जारी रहेंगे ताकि नशे जैसी बुराई को समाज में से जल्दी से जल्दी जड़ से खत्म किया जा सके। इसके अलावा चमोली पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ भी सख्त कार्यवाही सुनिश्चित कर रही है। पुलिस अधीक्षक महोदय ने बताया कि नशा एक बुराई है और इस बुराई से लड़ने के लिए समाज के सभी लोगों को एकजुट होना होगा। तभी हम इस अभिशाप को जड़ से खत्म कर सकते है। नशा शरीर के लिए जहां खतरनाक है, वहीं अपराध का भी मुख्य कारण है। उन्होंने कहा कि अनेक युवा जो नशे में किसी कारणवश धंस जाते हैं और फिर उस नशे की पूर्ति के लिए कोई भी आपराधिक वारदात करने से नहीं हिचकिचाते। नशा मुक्त व अपराध मुक्त समाज की स्थापना के लिए हम सभी को मिलकर कदम उठाने होंगे, तभी यह मुहिम सार्थक होगी।चमोली पुलिस की आमजन से अपील है कि ड्रग्स के कारोबार की रोकथाम व इसमें संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ के लिये पुलिस का सहयोग करें। कोई भी व्यक्ति जिसके पास ड्रग्स के कारोबार या इसमें संलिप्त लोगों के बारे में विश्वसनीय सूचना है तो वह व्यक्ति चमोली पुलिस के वॉटसअप नम्बर 9458322120 पर सूचना दे सकते हैं। सूचना प्राप्ति के बाद सूचना का सत्यापन कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी और सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जायेगी।

देहरादून : साइबर ठगी में STF ने आठ नाइजीरियन पर कसा शिकंजा, एक दिल्ली से गिरफ्तार, सात को नोटिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 जून : पार्सल के नाम पर ठगी करने वाले नाइजीरिया मूल के लोगों पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई हुई है। एसटीएफ ने दिल्ली से नाइजीरिया मूल के एक युवक को गिरफ्तार कर ठगों के गिरोह का भंडाफोड़ किया है। जबकि, उसके साथ रहने वाले सात लोगों को नोटिस दिए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। वहीं, गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया, पिछले दिनों रेशमा दीवान नाम की महिला ने साइबर थाना पुलिस को शिकायत की थी। उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को ब्रिटेन का नागरिक बताया और महिला से दोस्ती कर ली। इस बीच उसने महिला को झांसा दिया कि वह उनके लिए पार्सल भेज रहा है। इसमें 40 हजार पाउंड हैं। एक दो दिन बाद उसने कहा कि यह पार्सल दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने रोक लिया है।अब उससे पार्सल छोड़ने के नाम पर रिश्वत मांगी जा रही है। इसके लिए उसने अपने किसी अन्य साथी से महिला की बात कराई। उसने खुद को दिल्ली एयरपोर्ट का कस्टम अधिकारी बताया। महिला को विश्वास हुआ तो उन्होंने 50 हजार रुपये रिश्वत के रूप में आरोपियों के बताए एक भारतीय बैंक खाते में जमा कर दिए।इसके बाद कस्टम ड्यूटी, फीस, टैक्स समेत तमाम तरह से महिला को डराकर उनसे कुल 19 लाख रुपये अपने विभिन्न खातों में जमा करा लिए। महिला से और भी रुपये मांगे जा रहे थे लेकिन अब महिला का खाता खाली हो चुका था। इस मामले में साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। खातों और मोबाइल नंबरों की जांच करते हुए एसटीएफ दिल्ली के मोहन गार्डन स्थित विपिन गार्डन के एक मकान तक पहुंच गई।यहां पर नाइजीरियन मूल के कुछ युवक मिले। इनमें से एक युवक चिकोजॉइकी दिमकोहा को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि, सात अन्य युवकों को सीआरपीसी 41 ए का नोटिस दिया गया है। यानी पुलिस यदि उन्हें जांच के लिए बुलाएगी तो उन्हें आना पड़ेगा। नहीं आएंगे तो उनके खिलाफ न्यायालय से वारंट भी लिया जा सकता है।आरोपियों से 21 मोबाइल फोन और पांच लैपटॉप बरामद हुए हैं। इनके आपराधिक इतिहास के बारे में पता किया गया है। इन्होंने झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तर प्रदेश के कई लोगों को ठगा है। इनके मोबाइल नंबरों की जांच कराने पर इनके खिलाफ सैकड़ों शिकायतें इन राज्यों में मिली हैं। एसटीएफ अब इन राज्यों को भी सूचित कर रही है। इनके अन्य साथियों की गिरफ्तारी के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

उत्तराखंड : सेही को मारने के लिए गुफा में गया युवक, वापस जिंदा नहीं लौट पाया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर 27 जून : उत्तराखंड का बागेश्वर जिले में गुफा के भीतर गए एक नेपाली युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। पुलिस ने उसका शव महादेव गुफा से बरामद किया। बताया जा रहा है कि युवक लकड़ी लेने के लिए जंगल में गया था। वहां उसे एक सेही दिखाई दिया। उसका शिकार करने की नीयत से वो गुफा में घुसा, लेकिन वहां से जिंदा वापस नहीं लौट सका। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे स्वजनों को सौंप दिया है।

घटना रीमा क्षेत्र की है। यहां 22 वर्षीय भरत बुड़ा पुत्र बिरकी बुड़ा, निवासी बैलेख वार्ड नंबर तीन, नगर पालिका दुलू, नेपाल क्षेत्र में ही रहकर काम किया करता था। बताया जा रहा है कि बीते दिन वो लकड़ी लेने के लिए जंगल में गया था। वहां उसे एक सेही दिखाई दिया। भरत के साथियों के अनुसार वह सेही को मारने के लिए उसके पीछे दौड़ता था, लेकिन गुफा से बाहर नहीं निकल पाया। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने उसका शव पौड़ी बैंड के समीप महादेव गुफा से रेस्क्यू किया। पुलिस का मानना है कि गुफा के अंदर ऑक्सीजन की कमी और दोनों पैर फंस जाने से वह बाहर नहीं निकल सका। जिससे उसकी मौत हो गई। नेपाली मजदूर बीते बीते दिन की शाम लगभग साढ़े चार बजे गुफा के भीतर गया था। उसके साथियों ने उसका काफी इंतजार किया। उसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

फूलों से है मोहब्बत तो चले आइए दीदार के लिए यहां, घाटी की रौनक देख नजर नहीं हटेगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 जून : फूलों की घाटी में देर से ही सही लेकिन फूल खिलने लग गए हैं। इन दिनों यहां पर करीब दो दर्जन से अधिक प्रजाति के रंग-बिरंगे फूल खिल रहे हैं। जिससे घाटी की रौनक लौटने लग गई है। अभी तक यहां 1243 देशी और 17 विदेशी पर्यटक पहुंच चुके हैं। इस साल बेमौसमी बारिश के चलते घाटी में फूल देर से खिले। जिससे कुछ समय तक घाटी फूल विहीन रही। लेकिन अब धीरे-धीरे यहां रंग-बिरंगे फूलों से घाटी गुलजार होने लग गई है। फूलों की घाटी में हिमालय की रानी के नाम से प्रसिद्ध ब्लू पॉपी भी खिल गई है।जुलाई और अगस्त महीने में यहां करीब 300 प्रजाति के फूल खिलते है।

इस दौरान यहां सबसे अधिक पर्यटक पहुंचते हैं। विश्व धरोहर फूलों की घाटी एक जून को पर्यटकों के लिए खोल दी गई है। घाटी के पैदल रास्ते पर दो जगह पर भारी हिमखंड पसरे थे। पर्यटकों को हिमखंडों के बीच से ही होकर गुजरना पड़ा। 87.50 वर्ग किमी में फैली फूलों की घाटी हर साल पर्यटकों के लिए एक जून से खोल दी जाती है और 31 अक्टूबर को बंद कर दी जाती है। फूलों की घाटी के वन क्षेत्राधिकारी गौरव नेगी ने बताया कि घाटी में दो दर्जन से अधिक फूल खिल चुके हैं। इनमें हिमालय की रानी नाम से प्रसिद्ध ब्लू पॉपी, हत्था जड़ी, पोटेटीला, प्रिमुला, सहित अन्य प्रजाति के फूल शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

सीडीओ कमठान की अध्यक्षता में हुआ ऋषिपर्णा सभागार कलैक्ट्रेट में जनसुनवाई कार्यक्रम

देहरादून। मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलैक्ट्रेट में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में 68 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें अधिकतर शिकायतों का मौके पर निस्ताराण किया गया तथा शेष शिकायतों को सम्बन्धित विभागों/अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। आज प्राप्त शिकायतों में भूमि विवाद , अतिक्रमण, सीवर ,जलभराव , रास्ते पर अतिक्रमण , पीएमजीएसवाई की सडक़ खोले जाने आदि शिकायते प्राप्त हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता से निस्तारण करना सुनिश्चित करें साथ ही कहा कि एकबार जो शिकायत जनसुनवाई में प्राप्त हुई है वह दोबारा जनसुनवाई में न आए उससे पहले ही शिकायत का निस्तारण कर लिया जाए।कहा कि जिन शिकायतों पर मौकामुआवना एवं जांच होनी है तथा समय लग रहा है से भी सम्बधित शिकायतकर्ता को सूचित कर दिया जाए। विकासनगर के ईस्टहोपटाउन व हरर्बटपुर में भूमि कब्जा करने, उमेदपुर में रास्ते पर कब्जा करने कि शिकायतों पर उपजिलाधिकारी विकासनगर को वर्चुअल माध्यम से शिकयतों का निस्तारण करने निर्देश दिए। अनुराग नर्सरी के समीप पानी घुसने एवं आमवाला में नाला निर्माण करवाने के शिकायती पत्र पर नगर निगम को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। रामनगर डांडा में वन भूमि पर कब्जे की शिकायत पर वर्चुअल माध्यम से जुडे तहसीलदार डोईवाला को जांच के निर्देश दिए। रूपनगर बद्रीपुर में सीवर लाईन डालने की शिकायत पर अधि0 अभि0 पेयजल निगम को कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में राजपुर क्षेत्र में अनुमति से अधिक खनन किए जाने कि शिकायतों पर सम्बंधित के विरूद्ध चालान की कार्यवाही करने के निर्देश जिला खान अधिकारी को तथा पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए। डोईवाला तथा रानीपोखरी में भूमि के सीमांकन कराने कि शिकायत पर तहसीलदार डोईवाला एवं ऋषिकेश को कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम खरोडा चकराता के ग्रामीणों द्वारा पीएमजीएसवाई की सडक खुलवाने की शिकायत पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को कार्यवाही के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस.के.बरनवाल, पुलिस अधीक्षक क्राईम सर्वश पंवार, अपर मुख्य नगर अधिकारी नगर निगम देहरादून जगदीश लाल, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह, जिला प्राबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, जिला उद्यान अधिकारी मीनाक्षी जोशी समाज कल्याण ,पेयजल निगम, जल संस्थान, लोनिवी , विद्युत , पीएमजीएसवाई सहित सम्बधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें। तथा उप जिलाधिकारी विकासनगर, तहसीलदार डोईवाला एवं ऋषिकेश वर्चुअल माध्मय से जुड़े रहे।

मसूरी में बारिश से हुआ जनजीवन प्रभावित

देहरादून। सोमवार को पर्यटन नगरी मसूरी में सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। शाम तीन बजे तक तक बारिश का सिलसिला जारी रहा। चार बजे करीब आसमान से बादल छटने के बाद शहर में धूप खिल गई। इसके बाद माल रोड पर पर्यटकों की चहल-कदमी जिसके बाद माल रोड पर पर्यटको की संख्या में काफी इजाफा देखने को मिला। लेकिन शाम छह बजे बाद फिर से तेज बारिश शुरू हो गई। इससे मसूरी में ठंड बढ़ गई।

भाजपा की उपलब्धि घोटाला रहित सरकारें

देहरादून। केन्द्र में भाजपा सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर भाजपा महा जन सम्पर्क अभियान के तहत लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन किया गया। राजपुर रोड विधायक खजानदास ने कहा कि भाजपा के केन्द्र में 9 साल एवं प्रदेश में 6 साल के कार्यकाल में एक भी घोटाला नहीं हुआ है, यह मोदी सरकार की उपलब्धि है। जहां एक ओर देश समग्र विकास के अभूतपूर्व कार्य हुए, वहीं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ा है। सुभाष रोड स्थित श्री निवास वैडिंग प्वांइट खजानदास ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनमानस अनेकों दृष्टिकोण से लाभान्वित हुआ है। उत्तराखंड में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन, चारों धामों को जोडने के लिए ऑलवेदर रोड, पर्यटन को बढ़ावा, केदारनाथ धाम में पुर्ननिर्माण जैसी अनेक उपलब्धियां हैं। मौके पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य देहरादून ग्रामीण प्रभारी विनय रोहिला, भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुनील शर्मा, करनपुर मण्डल अध्यक्ष राहुल लारा, अम्बेडकर मण्डल अध्यक्ष पंकज शर्मा, अभिषेक नौडियाल, वैभव अग्रवाल, शुभम शर्मा, अवधेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

रेस्टोरेंट में रोबोट ने परोसा लोगों को खाना

- यूनिक कांसेप्ट के साथ राजधानी में खुले कैफे ने बटोरी सुर्खियां
- रोबोट को देख चौंके लोग, जायके का स्वाद लेने के साथ ही संगीत का भी लिया मजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। रेस्टोरेंट में खाना परोसने के लिए वेटर की जगह रोबोट आया तो हर कोई चौंक गया। लोगों के लिए यह नजारा उत्सुक करने वाला था। यूनीक आइडिया के साथ राजधानी में खुला यह कैफ़े खूब चर्चा बटोर रहा है। आईएसबीटी स्थित सुमंगलम होटल के गोल्डन स्पून रेस्ट्रो और कैफे की लॉन्चिंग ने शहर में सुर्खियां बटोरी। वेटर की जगह रोबोट को खाना परोसा देखना लोगों के लिए जहां उत्सुकता भरा था वहीं दूसरी ओर जायके के स्वाद के साथ लोगों को संगीत का आनंद लेने को भी मिला। इस माहौल को और भी मजेदार बनाया अमित महराना और वरुण सचदेवा ने अपने चुटकुलों से। इनके चुटकुलों पर लोगों ने खूबसूरत ठहाके लगाए। लाइव बैंड वाइल्ड ड्राफ्ट ने संगीत की प्रस्तुति दी एवम् संचालन एंकर रोमा पंडित के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आयोजन इवेंट एजेंसी ब्रांड बज़ इंडिया के द्वारा किया गया।

फिलहाल ऋषिकेश में राफ्टिंग नही कर सकेंगे आप, ग्रीन लेवल को पार कर गया गंगा का बहाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 27 जून : राफ्टिंग के लिए ऋषिकेश जाने की प्लानिंग कर रहे हैं तो फिलहाल इस प्लान को टाल दें। दरअसल प्रशासन की ओर से ऋषिकेश में गंगा में राफ्टिंग पर रोक लगा दी गई है। इसकी वजह भी बताते हैं। बीते दिन प्रदेश में मानसून ने दस्तक दे दी, जिसके बाद पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश हो रही है। गंगा के जलस्तर में वृद्धि हुई है। सभी इलाकों में मूसलाधार बारिश हो रही है। इसे देखते हुए दो दिन के लिए गंगा में राफ्टिंग पर रोक लगा दी गई है। 30 जून राफ्टिंग सत्र का आखिरी दिन होता है। दो दिन बाद समीक्षा की जाएगी, उसी के आधार पर प्रशासन अगला निर्णय लेगा। बता दें कि गंगा के जलस्तर में वृद्धि के साथ बड़ी संख्या में सूखे पेड़ और लकड़ी गंगा में बहकर आ रही है। जिनसे राफ्ट के टकराने से दुर्घटना का अंदेशा भी बढ़ गया है। हालात बेहद खतरनाक बने हुए हैं। ब्रह्मपुरी में गंगा के जलस्तर की जांच की गई थी, जिसके बाद पता चला कि यहां पर राफ्टिंग के लिए निर्धारित जल स्तर का मानक ग्रीन लेवल को पार कर गया है। इसके अगले 2 दिन राफ्टिंग पर रोक लगा दी गई। कुल मिलाकर पर्यटक अगले दो दिनों तक ऋषिकेश में राफ्टिंग नहीं कर सकेंगे, प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है।

उत्तराखंड : अगले तीन दिन भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट, कई जगह भूस्खलन की आशंका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 27 जून : उत्तराखंड में पर्वतीय जिलों के साथ मैदानी इलाकों में अगले तीन दिन तक भारी बारिश का अलर्ट है।

मौसम विभाग की ओर से संवेदनशील इलाकों में हल्के से मध्यम भूस्खलन और चट्टान गिरने से कहीं-कहीं सड़कों और राजमार्ग के अवरुद्ध होने की आशंका भी जताई गई है। मैदानी इलाकों से लेकर पर्वतीय इलाकों में बारिश का येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि 27 जून से प्रदेश के पर्वतीय जिलों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने और कई दौर की बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 27 और 28 जून को उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और बागेश्वर में बारिश का येलो अलर्ट है। 29 जून को भी प्रदेश भर में बारिश का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पिथौरागढ़ : उच्च हिमालयी क्षेत्रों में 30 जून तक ट्रेकिंग पर रोक, खराब मौसम को देखते हुए लिया निर्णय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 27 जून : उत्तराखंड में मानसून ने दस्तक दे दी है। जिसके चलते मौसम विभाग ने अगले कुछ दिन पहाड़ से मैदान तक मौसम खराब रहने के असार जताए हैं। ऐसे में पिथौरागढ़ जिला प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से उच्च हिमालयी क्षेत्र में ट्रेकिंग पर 30 जून तक रोक लगा दी है। जिलाधिकारी रीना जोशी ने इस अवधि में उपजिलाधिकारियों और पर्यटन विभाग को निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। खराब मौसम को देखते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों में 29 जून तक अवकाश घोषित किया गा है। जिलाधिकारी जोशी ने कहा है कि बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए 27 से 29 जून तक आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश रहेगा।

हरिद्वार : कांवड़ यात्रा पर आने से पहले पढ़िए जरूरी जानकारी, इस बार बदल गए हैं नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वारः चार धाम यात्रा की तरह कांवड़ यात्रा के सुचारू संचालन के लिए नई व्यवस्थाएं लागू की जा रही हैं। इसी कड़ी में पुलिस की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए क्यूआर कोड जारी किया गया है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए कांवड़ यात्रा में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को सारी सुविधाएं एक ही जगह मिल जाएंगी। चाहे जिले के अन्य अधिकारियों के नंबर हों या फिर कांवड़ यात्रा से जुड़ी अन्य जानकारियां, सभी जानकारी आसानी से श्रद्धालुओं की पहुंच में होगी। इस क्यूआर कोड की कॉपी नजदीकी जिलों को भेजी जा रही है ,और हार्ड कॉपी बॉर्डर पर आने वाली डाक गाड़ियों और आसपास के राज्यों में भेजी जा रही है। कांवड़ यात्रा को लेकर नए नियम भी लागू किए गए हैं। यात्रा के दौरान व्यापारी किसी भी ऐसी सामग्री आदि की बिक्री नहीं कर सकते, जिससे किसी का नुकसान हो सकता हो। हरिद्वार जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने कहा कि कांवड़ 12 फीट से ऊंची नहीं होनी चाहिए। डीएम धीराज सिंह गर्ब्याल और एसएसपी अजय सिंह ने कांवड़ मेले की तैयारियों को लेकर स्थानीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों संग बैठक की। बैठक में साधु-संतों से चर्चा की गई, साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था के लिए सिडकुल के उद्यमियों और स्थानीय व्यापारियों से सुझाव भी लिए गए।

व्यापारी नेता कैलाश केसवानी ने पिछले कांवड़ मेले का हवाला देते हुए बताया कि पार्किंग में मोटर साइकिल में आग लगने की कई घटनाएं हुई थी। इस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पार्किंग में आग बुझाने के उपकरणों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था की जाएगी। एसएसपी ने व्यापारियों के साथ ही कांवड़ियों से अनुरोध किया कि वह अपने साथ अपना पहचान पत्र अवश्य रखें। स्थानीय निवासी और व्यापारियों से पुलिस प्रशासन को व्यवस्थाओं का पालन कराने में सहयोग देने की अपील की गई है।

ऋषिकेश में चेतावनी रेखा से 90 सेमी नीचे बही गंगा

ऋषिकेश। पर्वतीय क्षेत्रों में पिछले दो दिन से हो रही बारिश के कारण गंगा के जलस्तर में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। सोमवार को ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर चेतावनी रेखा से 90 सेमी नीचे रहा। गंगा के रौद्र रूप को देखते हुए प्रशासन ने तटीय इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया है। रेस्क्यू टीम को निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। गंगा का वार्निंग लेबल 339.50 मीटर है। सोमवार को पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हुई झमाझम बारिश से गंगा का जलस्तर बढ़ा रहा। त्रिवेणी घाट में गंगा की जलधारा आरती स्थल को छूकर बहती रही। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक सोमवार सुबह आठ बजे तक गंगा का जलस्तर 338.00 मीटर था। शाम चार बजे जलस्तर बढ़कर 338.60 मीटर दर्ज किया गया। यानी गंगा का जलस्तर चेतावनी रेखा से महज 90 सेमी नीचे रहा।

संपादकीय

उग्रवाद की वापसी!

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर पर सर्वदलीय बैठक भी हो गई। गृहमंत्री अमित शाह ने अध्यक्षता की, क्योंकि प्रधानमंत्री विदेशी प्रवास पर थे। बैठक के निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किए गए। अलबत्ता गृहमंत्री ने राज्य के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को हटाने से इंकार कर दिया। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में गृहमंत्री शाह से मुलाकात कर मणिपुर के हालात का खुलासा किया। दावा किया जा रहा है कि 13 जून के बाद कोई भी हताहत नहीं हुआ। यह सरकारी कथन अपने आधार पर सही हो सकता है, लेकिन हकीकत देश के सामने है। मणिपुर में उग्रवाद का जो पुराना दौर लौट रहा है, वह किसी भी हताहत, अराजकता, आगजनी, अवैध हथियार और गोला-बारूद से ज्यादा खतरनाक है। करीब 1500 महिलाओं की भीड़, कथित सेना, ने जिन 12 उग्रवादियों को सरकारी हिरासत से छुड़वाया है, वह कोई बेहतर स्थिति नहीं है। यह प्रवृत्ति बड़ी भयावह है। मणिपुर के गली-मुहल्लों में कथित उग्रवादी भीड़ की ही हुकूमत है। मुक्त कराए गए उग्रवादी प्रतिबंधित संगठन 'कंग्लेई यावोल कन्ना लुप' (केवाईकेएल) के सदस्य हैं। यह संगठन मैतेई समुदाय से जुड़ा है। उनमें एक ऐसा हत्यारा उग्रवादी भी था, जिस पर 18 सैनिकों की जान लेने के आरोप हैं। इस स्थिति पर सर्वदलीय बैठक में कोई चर्चा नहीं हुई, क्योंकि विपक्ष मुख्यमंत्री को ही 'बलि का बकरा' बनाने पर आमादा था। मुक्त कराए गए 12 उग्रवादियों से बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए। सेना की टुकड़ी उन्हें अपने साथ जरूर ले आई। मणिपुर में उग्रवाद का लंबा दौर रहा है। गनीमत है कि आज वहां संविधान, लोकतंत्र और न्यायपालिका पूरी तरह लागू हैं, लिहाजा सरकार और प्रशासन भी कार्यरत हैं। यह स्थिति विद्रूप हो सकती है, जैसा वर्ष 2000 से पहले था। यदि मणिपुर में उग्रवाद की वापसी होती है, तो वह एक बार फिर शेष देश से कट सकता है। मणिपुर भी भारत का अंतरंग हिस्सा है, लिहाजा सरकार के स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह और जिम्मेदार अधिकारियों को ज्यादा चिंतित होकर हस्तक्षेप करना चाहिए और एक भरे-पूरे राज्य को 'राख' होने से बचाना चाहिए। मैतेई और कुकी, नगा आदि समुदाय मणिपुर के अस्तित्व से ही वहां के निवासी हैं। उनके विरोधाभास भी 'सनातन' हैं, लेकिन 'भीड़तंत्र' के जरिए उग्रवाद लौट रहा है। राज्य के आधा दर्जन जिलों-विष्णुपुर, इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, उखरुल, चूराचांदपुर, कंग्पोक्पी-में 'भीड़तंत्र' सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस के ऑपरेशनों पर हावी है। हालांकि सुरक्षा बल और सेना ने अपने ऑपरेशनों के दौरान मणिपुरी जनता के प्रति धैर्य, संयम दिखाया है, लेकिन 'भीड़तंत्र' ने हमारे सैनिकों, जवानों को भी नहीं बख्शा है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

एसएसपी पौड़ी के निर्देशन में पौड़ी पुलिस का जन जागरूकता कार्यक्रम" लगातार है जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 27 जून : उत्तराखण्ड राज्य में नशामुक्त भारत अभियान के अन्तर्गतद्द दिनांक 12.06.2023 से 26.06.2023 तक "नशा मुक्त भारत पखवाड़ा" के रूप में एक वृहद जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजन के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों व एएनटीएफ (एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में नशा कारोबारियों पर कठोर कार्यवाही एवं युवा वर्ग को नशा न करने के प्रति जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके क्रम में दिनांक 24.06.23 को प्रभारी निरीक्षक श्रीनगर रवि कुमार सैनी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा अपने थाना

क्षेत्रान्तर्गत के अलकेश्वर घाट पर म्यूजिकल कंसर्ट आयोजित कर थाना क्षेत्र के युवाओं, युवतियों व आमजन को पुलिस टीम द्वारा नशे के दुष्प्रभावों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। नशा मुक्त भारत अभियान" के अन्तर्गत नशे से दूर रहने, शराब पीकर वाहन न चलाने, बाल अपराध, महिला सुरक्षा, चाइल्ड हेल्प लाइन, बाल भिक्षा वृत्ति, साइबर क्राइम, नशा मुक्ति तथा उत्तराखंड पुलिस एप्प के साथ-साथ डायल- 112, साइबर हेल्पलाइन नम्बर- 1930 आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर भारत सरकार द्वारा जारी नेशनल टोल फ्री डी एडिक्शन नम्बर-14446, जिसमें नशे से पीड़ित लोगों को मुफ्त काउंसलिंग देकर तत्काल सहायता प्रदान की जाती है के सम्बन्ध में भी जानकारी देकर नशा मुक्त भारत बनाये जाने की शपथ भी दिलाई गयी। साथ ही नशे के दुष्प्रभावों के सम्बन्ध में पम्पलेट वितरित कर साइन बोर्ड पर आम जनमानस द्वारा हस्ताक्षर कर "नशा मुक्ति भारत अभियान" मुहिम में योगदान देने हेतु कहा गया।

व्हाट्सअप यूज़ करने वाले सावधान, मंडरा रहा है खतरा !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 27 जून , अगर आप फोन में WhatsApp का इस्तेमाल करते हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए, क्योंकि मार्केट में पिंक वॉट्सऐप की एंट्री हो चुकी है। स्कैमर्स वॉट्सऐप यूजर्स को झांसा दे रहे हैं कि वॉट्सऐप का कलर बदल गया है। ऐसे में वॉट्सऐप अपडेट के बाद इसका कलर ग्रीन से पिंक हो जाएगा। हालांकि ऐसा सच नहीं है। दरअसल स्कैमर्स यूजर्स को वॉट्सऐप अपडेट का लिंक भेज रहे हैं, जिसमें दावा किया जा रहा है कि नए वॉट्सऐप अपडेट में नया इंटरफेस और नए फीचर्स मिलेंगे।लेकिन ऐसा करना खतरनाक हो सकता है कि क्योंकि यह एक मैलिशियल ऐप है, जो किसी भी स्मार्टफोन, लैपटॉप या डिवाइस में इंस्टॉल होने के बाद उस डिवाइस की पर्सनल जानकारी जैसे गैलरी, मैसेज, कॉल रिकॉर्डिंग को स्टोर कर लेते हैं। जिससे हैकिंग की घटनाओं को अंजाम दिया जाता है।

भूलकर ने करें ये गलतियां

यूजर्स को हमेशा प्रमाणित और मान्यता प्राप्त स्रोतों से WhatsApp जैसे ऐप्स को डाउनलोड करना चाहिए। आपको आधिकारिक ऐप स्टोर्स जैसे कि Google Play Store और Apple App Store से WhatsApp को डाउनलोड करना चाहिए।अपने WhatsApp कॉन्टैक्ट के साथ केवल वही जानकारी साझा करें, जिन्हें आप विश्वस्त और पहचाने जाने वाले व्यक्ति समझते हैंहमेशा फोन मेंWhatsApp ऐप के लेटेस्ट संस्करण को ही डाउनलोड करें।अगर आपको किसी अयोग्य, आपत्तिजनक, या दुर्भाग्यपूर्ण संदेश का सामना होता है, तो आपको उसे तुरंत रिपोर्ट करना चाहिए।मैसेज, लिंक, और कॉन्टैक्ट से सतर्क रहें, जिनमें आपको संदेह होता है। अगर कोई आपसे जानकारी मांगता है, तो उसे न दें और संपर्क को ब्लॉक करें।

ब्रेन स्ट्रोक तो सुना होगा, पर क्या स्पाइनल स्ट्रोक के बारे में जानते हैं, गंभीर होते हैं इसके

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 जून : ब्रेन स्ट्रोक की समस्या पिछले एक-दो दशकों में काफी तेजी से बढ़ी है, अकेले अमेरिका में ही ब्रेन स्ट्रोक के कारण हर साल 1.40 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसके जोखिम, कारण और होने वाली समस्याओं के बारे में आप भी जरूर वाकिफ होंगे, पर क्या आप स्पाइनल स्ट्रोक के बारे में जानते हैं? ब्रेन स्ट्रोक की तरह ही इस समस्या का खतरा भी काफी तेजी से बढ़ता देखा जा रहा है। यह ब्रेन स्ट्रोक की तरह जानलेवा तो नहीं है पर आपके जीवन के लिए कई प्रकार की कठिनाइयों को बढ़ाने वाली जरूर हो सकती है।

ब्रेन स्ट्रोक, मस्तिष्क में रक्त प्रवाह के बाधित हो जाने के कारण होने वाली दिक्कत है, स्पाइनल स्ट्रोक में भी समस्या ऐसे ही शुरू होती है। रीढ़ की हड्डी को ठीक से काम करने के लिए निरंतर रक्त आपूर्ति की आवश्यकता होती है। यह आपके शरीर के बाकी हिस्सों में नर्व इंपल्स (तंत्रिका आवेग) भेजने में मदद करती है। यही संकेत बुनियादी शारीरिक गतिविधियों में मदद करते हैं जैसे कि आपके हाथ और पैर हिलाना, और यह सुनिश्चित करना कि आपके सभी अंग ठीक से काम कर रहे हैं। स्पाइनल स्ट्रोक के कारण यह प्रक्रिया बाधित हो सकती है।

यदि रीढ़ की हड्डी में रक्त का प्रवाह प्रभावित हो जाती है या कोई चीज इसे अवरुद्ध कर देती है, तो इसे अपना काम करने के लिए आवश्यक ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं मिल पाता है।

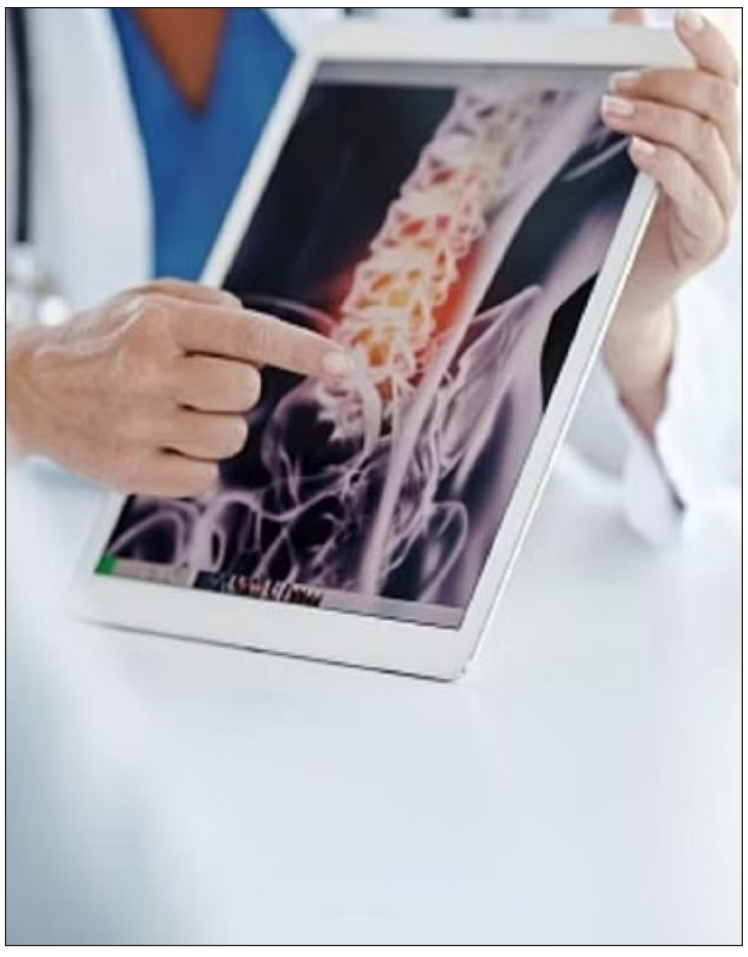

इस समस्या को स्पाइनल स्ट्रोक या स्पाइन कार्ड इफ्रैक्शन कहा जाता है। आमतौर पर रक्त के थक्के बनने (इस्केमिक स्पाइनल स्ट्रोक) या रक्तस्राव (हेमोरेजिक स्पाइनल स्ट्रोक) के कारण रीढ़ को पोषक तत्व और ऑक्सीजन युक्त रक्त की आपूर्ति बाधित हो सकती है, ऐसी स्थिति में रीढ़ की हड्डी के ऊतकों और कोशिकाओं को नुकसान पहुंचने लगता है, वे डेड हो सकते हैं। हालांकि स्पाइनल स्ट्रोक के मामले काफी दुर्लभ माने जाते हैं।

यदि रीढ़ की हड्डी में रक्त का प्रवाह प्रभावित हो जाती है या कोई चीज इसे अवरुद्ध कर देती है, तो इसे अपना काम करने के लिए आवश्यक ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं मिल पाता है। इस समस्या को स्पाइनल स्ट्रोक या स्पाइन कॉर्ड इफ्रैक्शन कहा जाता है। आमतौर पर रक्त के थक्के बनने (इस्केमिक स्पाइनल स्ट्रोक) या रक्तस्राव (हेमोरेजिक स्पाइनल स्ट्रोक) के कारण रीढ़ को पोषक तत्व और ऑक्सीजन युक्त रक्त की आपूर्ति बाधित हो सकती है, ऐसी स्थिति में रीढ़ की हड्डी के ऊतकों और कोशिकाओं को नुकसान पहुंचने लगता है, वे डेड हो सकते हैं। हालांकि स्पाइनल स्ट्रोक के मामले काफी दुर्लभ माने जाते हैं।

अधिकांश मामलों में स्पाइनल स्ट्रोक की समस्या रक्त वाहिकाओं के आकार में परिवर्तन के कारण होती हैं। रक्त वाहिकाओं की दीवारें मोटी होने के कारण ये संकीर्ण हो सकती हैं, जिससे खून का संचार बाधित हो जाता है। यह उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या भी है। कुछ स्थितियां हैं जो आपमें इसके जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती हैं जैसे हाई कोलेस्ट्रॉल- हाई ब्लड प्रेशर की समस्या, ह्रदय रोग, मोटापा, मधुमेह, अधिक धूम्रपान या शराब का सेवन और शारीरिक निष्क्रियता की समस्या।

स्पाइनल स्ट्रोक की समस्या में इसके इलाज के लिए पहले उन कारणों को जानने की कोशिश की जाती है जो रक्त के प्रवाह को बाधित करने वाली होती हैं। इसके आधार पर कुछ दवाओं और गंभीर स्थिति में सर्जरी की भी आवश्यकता हो सकती है। रीढ़ की हड्डी के स्ट्रोक के मामले बहुत दुर्लभ हैं लेकिन ये बहुत गंभीर भी हो सकते हैं। कुछ मामलों में यह लकवा का कारण बन सकती है जिससे जीवन की गुणवत्ता पर असर देखा जाता है।

नशे को रोकने की खाई है कसम, आओ मिलकर बढ़ाएं कदम : डॉ आर राजेश कुमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 27 जून , समाज को नशा मुक्त करने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें यह बात स्वास्थ्य सचिव एवं उत्तराखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति परियोजना निदेशक डॉ आर राजेश कुमार द्वारा अंतर-राष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में प्रदेश भर से भौतिक व वर्चुअल माध्यम से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों को नशा मुक्ति पर शपथ के दौरान कही।

इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस की थीम पीपल फर्स्टः स्टॉप स्टीकमा एंड डिस्क्रिमिनेशन, स्ट्रेंथन प्रिवेंशन है।स्वास्थ्य सचिव ने नशे से होने वाले नुकसान के बारे में तथा इसे समाज से दूर करने के बारे में जानकारी दी व सभी मौजूद अतिथि गणों को नशे के विरुद्ध शपथ दिलाई गयी। स्वास्थ्य सचिव ने अपील की है कि वे नशे से दूर रहें। नशा एक धीमा जहर है जिससे खुद भी बचें तथा अपने बच्चों को भी सुरक्षित रखें। किसी भी प्रकार के लालच में आकर नशा तस्करी न करें। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि अंतर-राष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस का उद्देश्य नशे से विशेषकर युवावर्ग का जीवन बचाने और ड्रग्स के प्रति लोगो को जागरूक किया जाना है। उन्होंने कहा नशे के सबसे अधिक शिकार युवा हैं और नशे की लत से व अपने भविष्य को दिशाहीन बना देते हैं। बहुत से युवाओं में सुई से नशा करने का प्रचलन बढ़ा है जिस कारण समाज में एच.आई.वी. संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। इसलिए उनको जागरुक होना बहुत आवश्यक है तभी वे इस बुरी आदत से स्वयं को सुरक्षित रख पाएंगे।स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने बताया कि केंद्रीय सरकार ने मादक और नशीले पदार्थ अधिनियम के अंतर्गत नशीली दवाओं का प्रयोग करने वाले लोगों की पहचान, उपचार और उनके पुर्नवास का प्रबंध किया है। ओपियाइड सब्सटिट्यूशन थैरेपी (ओ.एस.टी.) निर्धारित उपचार है जिसका उपयोग मादक पदार्थ पर निर्भरता को कम करने के लिए होता है। यह इलाज एच.आई.वी. संक्रमण होने एवं इसके फैलने के खतरे को कम करता है। यह सुई से नशा करने के जोखिमपूर्ण उपयोग से शरीर को होने वाले नुकसानों को कम करता है एवं नशीली दवाओं के प्रति तीव्र इच्छा को कम करने में मदद करता है।कार्यक्रम में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ विनीता शाह, निदेशक डॉ सरोज नैथानी, अपर परियोजना निदेशक डॉ अजय कुमार नगरकर, डॉ अमित शुक्ला, डॉ मंयक बडोला, डॉ पकंज कुमार सहित अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।